EHD-05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022 सत्रों के लिए)

हिंदी भाषा : नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी–05
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2021–22)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी / ई.एच.डी–05 / टी.एम.ए / 2021–22

प्रिय छात्र / छात्राओ,
यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2021 सत्र के लिए	:	**31 मार्च 2022**
जनवरी 2022 सत्र के लिए	:	**30 सितम्बर 2022**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा तीसरी श्रेणी के प्रश्न हैं जिनमें दिए गए शीर्षक पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखनी है।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
हिंदी भाषा : नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन
सत्रीय कार्य 2021–22
(पाठ्यक्रम के सभी खंड़ों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.–05
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी.–05/टीएमए/2021–22
कुल अंक : 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के क्रमिक विकास को समझाइए।

2. रवीन्द्र साहित्य की विशेषताएँ बताते हुए, उसमें व्यक्त राष्ट्रीय-सामाजिक चेतना का विवेचन कीजिए।

3. राष्ट्रीय नवजागरण के संदर्भ में उड़िया साहित्य पर विचार कीजिए।

4. वल्लत्तोल की कविता के विभिन्नि आयामों पर प्रकाश डालिए।

5. मराठी गद्य साहित्य के विकास को रेखांकित कीजिए।

6. नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना के परिप्रेक्ष्य में कश्मीरी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का मूल्यांकन कीजिए।

7. आधुनिक गुजराती भाषा साहित्य के विकास और प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य की अंतर्वस्तु का परिचय दीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए :
   (क) काशीनाथुनि नागेश्वर राव पंतुलु
   (ख) असमिया छायावादी काव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
   (ग) भारतीय भाषाओं में पत्रकारिता का उदय
   (घ) सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ
   (ङ) कन्नड़ भाषा-साहित्य के विकास में महिला साहित्यकारों का योगदान
   (च) पंजाबी भाषा-साहित्य के विकास में भाई वीर सिंह का योगदान